Reg. No. :- UDYAM-JH-11-0004329

अपेम लाइव न्यूज

(अपेम ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित एवं प्रसारित)

Reg. No. :- 2020/BAR/80/BK/01

सच का साथी

साप्ताहिक डिजीटल अखबार | खबर ही नहीं, खबरों का विश्लेषण भी | दिनांक 01/08/2021 | अंक 10

प्रकाशन वर्ष : 2021 | बरही से प्रकाशित एवं संचालित | संपर्क सूत्र : 7004315535, 7004704981, 9431140260

बिना पहुंच पथ का बनाया जा रहा है 22 लाख का विवाह भवन, सरकारी राशि का सदुपयोग या दूरूपयोग ! फैसला आपका....

विवाह भवन तक की रास्ता कच्चा, जर्जर, कीचडयुक्त, सडक पक्कीकरण की है दरकार

सांसद, विधायक एवं पंचायत प्रतिनिधि दे ध्यान, नही तो जनता करेगी आप सबों का अपमान

अपेम लाइवः बरही
कृष्णा प्रजापति

कृष्णा प्रजापति

बेंदगी पंचायत अंतर्गत एनएच 31 से निर्माणाधीन विवाह भवन तक का सडक। जी हां सडक की लम्बाई लगभग 600 मीटर । इस सडक की वर्तमान स्थिति ऐसी कि पैदल चलना मुशिकल। सडक कीचड में तब्दील हो गया है। इस सडक की महता इस बात से है कि इसी सडक से निर्मणाधीन विवाह भवन तक पहुंचा जा सकता है। विडम्बना देखिए कि लगभग 22 लाख से अधिक की लागत से श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन के तहत विवाह भवन बनाया जा रहा है। लेकिन उस विवाह भवन तक पहुंचने के लिए पहुंच पथ नही बनाया गया है। यदि विवाह भवन तक पहुंच पथ नही बनाया गया तो लाखो रूपए की लागत से बन रहे विवाह भवन की उपयोगिता पर ही सवालिया निशान लग जाएगा। यानि पूरी तरह से सरकारी राशि का दुरूपयोग होगा । विवाह भवन का प्राकल्लन बनाने वाले अभियंता को दिनौधी तो नही हो गया था। कि यह जानते हुए कि विवाह भवन तक पहुंच पथ नही है। पक्की सडक नही बनी हुई है। इसके बाद भी विवाह भवन बना दिया। अगर बना दिया तो कोई बात नही।

बिना पहुंच पथ के बन रहा है विवाह भवन

विवाह भवन जाने वाली रास्ता का हाल

लेकिन उसी भवन के साथ साथ पक्की सडक का भी प्रकाल्लन साथ में ही जोड देनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा नही किया। आज भवन लगभग पूरा होने को है। लेकिन इस भवन की उपयोगिता सडक के अभाव में शुन्य है। विडम्बना इस बात की है। कि इस मुहल्ले से ही उप प्रमुख महोदय जुडे है। इसी सडक से भाजपा के वरिष्ठ नेता अंबिका सिंह भी जुडे हैं। इनकी माने तो इनकी पहुंच सांसद एवं मंत्री तक है। लेकिन स्वयं पहल करा आज तक अपनी रोड की पक्की सडक नही बनवा पाना शायद इनके कार्यशैली के विरूद्ध हैं। इस सडक से मात्र 500 मीटर की दूरी पर मुखिया प्रतिनिधि दिनेश कुमार का आवास है। 50 मीटर की दूरी पर पंचायत के पंचायत समिति सदस्य सह उप प्रमुख सिकन्दर राणा का मकान है। लेकिन कभी इन सब के द्वारा सडक निर्माण के प्रति रूचि नही दिखया गया। यदि रूचि लिया गया होता तो शायद पक्की सडक बन गई होती। जिसके वजह से इस सडक के किनारे रहने वाले लोगों में असंतोष पनप रहा है। जो किसी भी जन प्रतिनिधि के लिए ठीक नही है। बता दें कि इसी रोड में अपेम संरक्षक कपिल प्रसाद केशरी का उत्सव वाटिका भी है। इनकी बडप्पन है कि इन्होने अपने स्तर तक कुछ दूरी तक सडक पर मोरम डलवाए। जिसके कारण वर्तमान में सडक चलने लायक बन पाया। फिलहाल सडक मरम्मती की जरूरत है। सडक निर्माण के लिए सांसद विधायक सहित पंचायत प्रतिनिधियों को गंभीर होने की जरूरत है। ताकि लोगो को आवगमन में साहूलियत मिल सके।

जब महिलाओं ने समझा शराब के कारण उनहे हो रही है परेशानी,तो शराबबंदी को लेकर महिलाओ ने खोला मोर्चा

अपेम लाइव : बरकट्ठा
सुनील श्रीवास्तव

कहां– शराब पूरा परिवार को बर्बाद कर देता है,

बरकट्ठा प्रखंड में ग्रामीण स्तर पर असुरक्षित तरीके से शराब निर्माणर कर खरीद बिकी की जाती है। जिसका प्रतिकूल प्रभाव समाज पर पड रहा है। जब महिलाओं को इस बात की समझ आई कि शराब से उनका परिवार बर्बाद हो रहा है। तब उन्होने शराब के खिलाफ ही मोर्चा खोलने का निर्णय लिया। इसी कडी में बरकट्ठा प्रखण्ड अंतर्गत ग्राम बेडोकला में सम्पूर्ण शराब बंदी को लेकर महिलाओं ने एक जागरूकता अभियान चलाया। साथ ही लोगों को शराब नहीं पीने तथा नहीं बेचने की अपील की । यह अभियान स्टेट लाइ.वली हुड प्रोमोशन सोसाइटी ग्रामीण विकास विभाग के तहत स्वयं सहायता समूह से जुडी बेड़ोकला पंचायत की ग्रामीण महिला दीदीयों के द्वारा चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से गांवों को शराब से मुक्त बनाने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया गया। उक्त अभियान का निर्णय सर्व सम्मति से कल सांसद आदर्श ग्राम विकास बेड़ोकला की बैठक में लिया गया। अभियान के दौरान देशी शराब दुकानदार को अपना–अपना शराब दुकान को बंद करने को कहा और चेतावनी दिया गया कि अगर कोई शराब बेचते पाया गया तो उसके दुकान बंद कर दिया जाएगा । यह अभियान कई चरणों में चलाया जायेगा । इस अभियान में मौके पर जयंती देवी, सुमन कुमारी, टुन्नी कुमारी, करमी देवी, कुंती देवी, बसंती देवी, दुलारी देवी, रेखा देवी, डोली देवी सहित दर्जनों ग्रामीण महिलायें उपस्थित थी स उक्त अभियान का समर्थन भाजपा बेड़ोकला मंडल महामंत्री रवीन्द्र शर्मा, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष महेश गुप्ता, भाजयुमो आईटी सेल प्रभारी अरुण पा. सवान, जिबरेल अंसारी, नरेश ठाकुर, युसूफ अंसारी, शिवकुमार साव, मुस्तकीम अंसारी, राजकुमार साव, सुरेन्द्र यादव ग्रामीणों ने किया।

शराब के खिलाफ अभियान चलाती महिलाएं

परिवहन सेवा शुल्क एव स्टाम्प सरचार्य ड्यूटी बढ़ाने से आम आदमी पर बढेगा़ बोझः बासुदेव

अपेम लाइव : बरही
सोनू पंडित

सरकार से पुनर्विचार करने की मांग

झारखण्ड सरकार के द्वारा परिवहन सेवा शुल्क में बढ़ोतरी तथा स्टांप सरच.र्ज ड्यूटी बढ़ाने के निर्णय का जन जागरण गांधीवादी पाटह्न ने विरोध जताते हुए इसे जनता पर अतिरिक्त बोझ बढ़ाने का वाला निर्णय बताया है। इस संबंध में जन जागरण गांधीवादी पाटह्न के प्रदेश उपाध्यक्ष बासुदेव पंडित ने कहा कि झारखंड सरकार ने परिवहन सेवा शुल्क के तौर पर विभिन्न कार्यों के लिए वसूल की जाने वाली राशि को बढ़ाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। परिवहन विभाग के इस प्रस्ताव से सरकार के खजाने में दो सौ करोड़ रुपये से अधिक राशि आएगी। इससे आम लोगों की जेब जरूर कटेगी। आठ वर्षो के बाद सेवा शुल्क में बढ़ोतरी की गई है और कुछ मामलों में यह पहले से दोगुना से भी अधिक है। इस प्रकार ड्राइविंग ला. इर्सेंस बनवाने से लेकर वाहनों के लिए परमिट लेने तक में आम लोगों को पहले से कहीं अधिक राशि खर्च करनी पड़ सकती है। जो आम जनता के लिए हितकर नही है। वही श्री पंडित ने कहा कि राज्य सरकार ने इसके साथ ही स्टांप सरचार्ज ड्यूटी में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान कर दी है। नई व्यवस्था में बांड पेपर के लिए न्यूनतम सौ रुपये से दो सौ रुपये तक का भुगतान करना होगा। जो आम आदमी, गरीब आदमी के बजट से बाहर है। उन्होंने कहा कि दोनों निर्णय आम जनता पर बोझ डालने वाली है। इस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

बासुदेव पंडित

वाहन चोरी होने पर क्या करें: बता रहे हैं दिल्ली हाईकोर्ट के अधिवक्ता व अपेम लिगल एडवाइजर रितेश कुमार

अपेम लाइवः नई दिल्ली
रितेश कुमार (अधिवक्ता)

यदि आपकी गाड़ी चोरी हो जाए तो सबसे पहले 100 नंबर पर डायल कर पुलिस को इसकी सूचना अवश्य दें...

आप परिवार के साथ कहीं होटल में खाना खाने गए हों और गाड़ी बाहर पार्क कर दी हो या फिर पार्क में पिकनिक के लिए गए और गाड़ी वहीं खड़ी कर दी या फिर घर के बाहर गाड़ी पार्क की हो या फिर ऑफिस के बाहर की पार्किंग में पार्क की हो और जब बाहर आएं तो गाड़ी गायब हो।

ऐसे में हमें तुरंत क्या करना चाहिए? कानूनी जानकार बताते हैं कि अगर तुरंत तलाश करने पर गाड़ी न मिले तो सबसे पहले पुलिस को कॉल करना चाहिए और फिर थाने जाकर केस दर्ज करवाना चाहिए।

कानूनी जानकार बताते हैं कि गाड़ी चोरी का मामला संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है और पुलिस को केस दर्ज करना अनिवार्य है। वकील रितेश कुमार बताते हैं कि गाड़ी चोरी होने की जैसे ही जानकारी हो सबसे पहले पुलिस को 100 नंबर पर डायल कर

रितेश कुमार

घटना के बारे में बताना जरूरी है। मान लीजिए कि गाड़ी चोरी होने के 3 घंटे बाद मालिक को इस बारे में पता चले तो उसी वक्त 100 नम्बर पर डायल करना जरूरी है और तब पुलिस को इत्तला देनी होती है कि अमुक जगह अमुक काम से वह गया था और 3 घंटे बाद बाहर निकलने पर गाड़ी गायब थी। इससे उन 3 घंटो के दौरान अगर उस चोरी की गाड़ी से किसी वारदात को अंजाम दिया जाता है, तो भी मालिक का यह बचाव होगा। इसके बाद संबंधित थाने में इस बारे में शिकायत की जानी चाहिए, ताकि केस दर्ज हो सके।

अधिवक्ता के अनुसार ऐसे मामले में आइपीसी की धारा 379 के तहत केस दर्ज किए जाने का प्रावधान है और यह मामला गैर जमानती और संज्ञेय होता है। सीआरपीसी के मुताबिक ऐसे मामले में एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य है। पहले से अगर 100 नंबर डायल हो रखा हो तो केस दर्ज करने के लिए एक अहम सपोर्ट होता है, क्योंकि 100 के कॉल का रिकॉर्ड होता है और ऐसे में शिकायती की सच्चाई सामने होती है। 100 नंबर पर डायल करने पर पुलिस मौके पर आती है और थाने को भी सूचित कर देती है और लोकल पुलिस मौके पर आ जाती है और गाड़ी मालिक वहीं शिकायत दर्ज करा सकता है। साथ ही वायरलेस पर मेसेज फ्लैश हो जाता है, ताकि गाड़ी तलाश हो सके। अगर गाड़ी चोरी के बावजूद गाड़ी मालिक केस दर्ज नहीं करता तो ऐसी सूरत में अगर गाड़ी से मर्डर, लूट या ब्लास्ट वगैरह को अंजाम दिया जाए तो गाड़ी मालिक भी पुलिस के सामने संदिग्ध आरोपी होता है।

अगर चोरी हुई गाड़ी इंश्योर्ड है, तो इंश्योरेंस क्लेम तभी मिलता है जब गाड़ी की चोरी की एफआईआर हो और पुलिस ने मामले में छानबीन के बाद फाइनल रिपोर्ट लगा रखी हो। छानबीन के बाद पुलिस फाइनल रिपोर्ट संबंधित इलाका मेजिस्ट्रेट के सामने लगाती है और वहीं से रिपोर्ट की कॉपी शिकायती को मिलती है, जो इंश्योरेंस क्लेम के लिए जरूरी होता है। बिना क्लेम के इंश्योरेंस नहीं मिलता। इस लिए जरूरी है कि वाहन चोरी होने पर तुरंत विधि सम्मत कार्रवाई होनी

बरकट्ठा में फ्लाई ओवर निर्माण कार्य बंद,राहगीरो की बढ़ी परेशानी

अपेम लाइवः बरकट्ठा
मानव राज सिंह

असुरक्षित महसूस कर रहे है स्थानीय लोग, सडक दुर्घटना का बना रहता है भय

मानव राज सिंह

बरकट्ठा में महत्वकांक्षी योजना एनएच 2 सिक्स लाइन व फ्लाई ओवर निर्माण की गति धीमी है। फ्लाई ओवर निर्माण कार्य कब पूरा होगा? यह खुद निर्माण कार्यो की मश्चनिटरिंग कर रहे अधिकारी भी नही बता पा रहे है। फ्लाई ओवर का निर्माण रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के द्वारा राजकेशरी कंस्ट्रक्शन प्राइवेट कंपनी के माध्यम से करवाया जा रहा है। लगभग 17 सौ मीटर लंबे फ्लाई ओवर निर्माण कार्य मे मात्र फाउंडेशन के बाद पिलर खड़े हुए है। गौरतलब हो कि निर्माण कार्य बीते कई माह से बंद है। काम बंद रहने की वजह से सिक्योरिटी के लिए कोई कमह्न तैनात नही है। जिस कारण आये दिन सड़क दुर्घटना होती रहती है।ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कंपनी ने पूर्व के बने नाली व क्रश्वस बेरियर को तोड़ दिया गया है। नाली नही रहने की वजह से बरसात में खासा परेशानी हो रही है। बारिश का पानी घरों में घुस जा रहा है। वहीं डायवर्सन निर्माण नही होने से सड़क सकरी हो गई है। जहां पैदल राहगीर व बाइक सवार जान जोख़िम में रख़कर 17 सौ मीटर क्रोस करते है। इन्ही वजहों से कई लोग सड़क हादसे के शिकार हो चुके है। अब तक फ्लाई ओवर निर्माण के 50 प्रतिशत काम भी पूरे नही हुए,यह कब तक पूरा होगा बताने को कोई तैयार नही है ।

बंद पडा फलाइओवर का काम

ग्रामीणों का आरोप है कि एनएचएआई अधिकारी भी मश्चनिटरिंग के प्रति दिल.चस्पी नही ले रहे है। कुल मिलाकर निर्माण कार्य में उदासीनता बरती जा रही है। असुरक्षा की स्थिति बनी हुई है। असुरक्षा के कारण लोग सडक आर पार करना भी मुश्किल हो गया है। स्थानीय रैयतों को मुआवजा भी नही मिला है। जिसके वजह से रैयतों को भी आर्थिक क्षति उठानी पड रही है। लोगो में संवेदक एवं एनएचएआई के खिलाफ असंतोष पनप रहा है। जिसका रूप कभी भी विस्फोटक हो सकती है।

श्रद्धालुओं को लुभा रहा पुनाई स्थित संकट मोचन मंदिर शिल्पकला का बेजोड़ उदाहरण

जिले में कोई इस तरह का मंदिर नही, बन सकता है पर्यटन केंद्र, ध्यान देने की है जरूरत

अपेम लाइव : बरकट्ठा
सुनील श्रीवास्तव

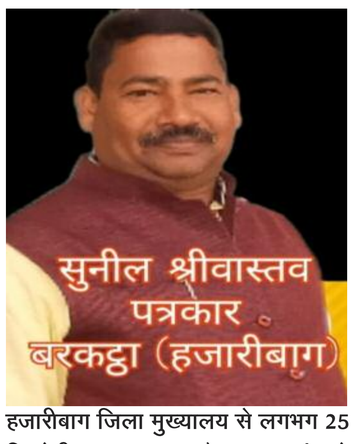

हजारीबाग जिला मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर दूर इचाक और दारू प्रखंड के सीमा पर बसा देव नगरी पुनाई में नव निर्मित हनुमान मंदिर पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। हर दिन सैकड़ो लोग परिवार संग मंदिर दर्शन को पहुंच रहे हैं। हजारीबाग जिले के अलावे दूसरे जिले से भी लोग बड़ी संख्या में सुबह से पहुंचने लगते है, जो देर शाम तक सिलसिला जारी रहता है। यहां लगभग 7 करोड़ की लागत से भव्य हनुमान मंदिर का निर्माण किया गया है। जिसमे राजस्थान के शिल्पकारों ने मंदिर का अद्भुत निर्माण किया है ।गर्भगृह में शीशे की गई कलाकारी देखते बनती है । इस मंदिर का डिजाइन वास्तुकला का बेहतरीन उदाहरण है लगभग दो एकड़ में फैला यह मंदिर अपने आप मे अद्वितीय है । मंदिर निर्माण का कार्य व संचालन श्री संकट मोचन सेवा ट्रस्ट पुनाई के द्वारा किया गया है। इस भव्य मंदिर का निर्माण 2009 में शुरू हुआ था। जिसका प्राण प्रतिष्ठा गत 3 जुलाई से शुरू होकर 9 जुलाई को सम्पन्न हुआ था। तब से यहां आने जाने वाले श्र)ालुओं का तांता लगा है। मंदिर में स्थापित हनुमान जी समेत अन्य देवताओं की मूर्तियां राजस्थान जयपुर से लाई गई है। साथ ही मंदिर निर्माण में लगे बालू और ईंट भी दूसरे राज्य से मंगवाकर लगाये गये हैं। आर्किटेक्ट भी मुंबई और दूसरे बड़े शहरों से आ कर साज सज्जा किया है। पूरे जिले में ऐसा भव्य और आकर्षक मंदिर कहीं और देखने को नही मिलता। मुख्य मंदिर से पहले शिखरनुमा प्रवेश द्वार मंदिर की खूबसूरती में चार चांद लगाता है। अगर सही से इस मंदिर का प्रचार प्रसार हो तो यह जिले का बेहतरीन पर्यटन केंद्र के रूप में उभर सकता है । इन दिनों रविवार को सम्पूर्ण लक्षक डाउन के कारण बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार वालो के साथ मंदिर दर्शन को आ रहे है । साथ ही पुनाई गांव वालों के द्वारा मंदिर दर्शन को आने वालों के लिए हर सम्भव मदद के लिए तत्पर रहते है । लोग मंदिर के दर्शन कर मंदिर निर्माण में लगे लोगो की भूरी भूरी प्रशंसा करते हैं ।

कैसे जाए:–

मंदिर जाने के लिए हजारीबाग शहर से एनएच 33 इचाक मोड़, इचाक बाजार–करियातपुर होते पुनाई स्थित मंदिर पहुंचा जाया जा सकता है। या फिर हजारीबाग से एनएच 100 होते झुमरा बाजार से मेढकुरी गांव होते करियातपुर होते मंदिर पहुंचा जा सकता है। बरकट्ठा से पीडब्ल्यूडी रोड खैरा होते हुए सीधे पुनाई पहुचा जा सकता है ।

पुनाई का संकटमोचन मंदिर

संकटमोचक बजरंग बली

प्रवेश द्वार

बढती महंगाई से आम आदमी परेशान, रोजगार का अवसर नही, आमदनी घटी, जीवन निर्वाह हुआ मुश्किल

तेल के दामों में बढोतरी होने से किसानों की बढ़ी मुश्किलें

अपेम लाइवः बरही
धनंजय कुमार

एक ओर जहां आम आदमी कोरोना वायरस महामारी से जूझ रहा है तो वहीं दूसरी ओर बढती महंगाई ने भी उसका जीना दूभर कर दिया है। मौजूदा समय में नौकरियां चली जाने और कारोबार ठप पड़ने की वजह से लाखों परिवारों के लिए घर चलाना मुश्किल हो गया है और उसमें महंगाई ने आग में घी डालने का काम किया है। खाने के तेल से लेकर दाल, सब्जियां, गैस सिलेंडर, दूध जैसी बुनियादी चीजों की कीमतें आसमान छू रही हैं और आम जनता महंगाई की मार से कराह रही है। लोग टकटकी लगाकर सरकार की ओर देख रहे हैं। सरकार अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के बूस्टर डोज जरूर दे रही है मगर उससे आम आदमी की जेब पर असर नहीं हो रहा है। किसानों को भी पेट्रोल डीजल महंगा होने से काफी असर पड़ा है। किसानों के लिए तो यह बड़ी मुसीबत बन गया हैं। वजह यह है कि आधुनिकता के इस दौर में खेती–किसानी के लिए सब कुछ मशीनों से ही होता है। ऐसे में तेल के दामों में बढोतरी होने से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। खेतों की जुताई की बात हो या खाद की ढुलाई की बात हो सब कुछ महंगा हो चुका है। ऐसे में किसान चिंतित है कि इतनी महंगी खेती वह कैसे करेंगे। पहले ही कोरा. ना काल की वजह से किसान आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। हाल ये है कि पेट्रोल अब कुछ शहरों में 100 रुपये तक भी बिक रहा है। पेट्रोल–डीजल के भाव बढ़ने से ट्रांसपोर्ट महंगा हो गया है और ट्रांसपोर्ट महंगा होते ही दूसरी जरूरी चीजें भी महंगी हो गई हैं। हालांकि दलीलें जो भी हो हकीकत यही है कि कोरोना काल में महंगाई आसमान पर है। ऐसे वक्त में महंगाई की मार और भी ज्यादा पीड़ा देने वाली है। ईंधन व रसोइ गैस में लगातार मूल्य वृ) का असर उपभोक्ताओं पर पड़ने लगा है। बढ़ती महंगाई व खाद्य पदार्थो की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों के घरेलू बजट को बिगाड़ दिया है। कोरोना काल में आर्थिक मार से त्रस्त आम लोगों को अभी राहत भी नहीं मिली थी कि बढ़ती महंगाई से आम और खास सभी परेशान हो गए हैं। हर दिन पेट्रोल–डीजल की कीमतें बढ़ रही है। इस कारण नमक, दाल से लेकर खाने वाले तेल और अन्य खाद्य सामग्री की कीमत काफी बढ़ी है। आम लोग यह समझ नहीं पा रहे कि आखिर इस महंगाई में बजट को कैसे संतुलित किया जाए।महंगाई चरम पर है। सरकार महंगाई पर अंकुश नहीं लगा पा रही है। गरीब हो या मध्यम वर्ग इस महंगाई से सभी परेशान है। घरेलू उपयोग के वस्तु और किराना सामानों की कीमतें काफी बढ़ गई हैं।बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए सरकार को जल्द से जल्द ठोस कदम उठाना चाहिए, यदि महंगाई पर रोक नहीं लगाई गई तो हालत और भी गंभीर हो जाएंगे।

दो दिन की चाँदनी फिर अंधेरी रात, कहावत जैसा लगता है, चौपारण के विभिन्न गाँवो में लगा बिजली का स्ट्रीट लाइट,अधितर खराब

जन प्रतिनिधियों का ध्यान नही

अपेम लाइवः चौपारण
धीरज प्रजापति

धीरज प्रजापति

चौपारण प्रखंड के 14वे. वित्त से लगे बिजली के खम्भे पर लगा स्ट्रीट लाइट लगभग सभी खराब हो चुके हैं। जब स्ट्रीट लाइट लगा तो गाँव के लोगों ने शहर जैसा अपने गाँव को भी रात मे उजाला देखा। लेकिन यह उजाला गाँव मे ज्यादा दिन तक नही रह सका। दो दिन की चाँदनी फिर अंधरिया रात जैसा स्थिति अभी चौपारण के लगभग गाँवो में हो चुका है। खराब पड़े स्ट्रीट लाइट के तरफ किसी भी जनप्रति. निधि एंव अधिकारी का ध्यान नही है। जब गाँव के लोगों के द्वारा स्ट्रीट लाइट के मरम्मत करवाने के लिए बोला जाता है तो उनको सिर्फ आश्वासन दिया जाता है। जब ग्रामीणों से खराब पडे स्ट्रीट लाइट के बारे मे पुछा गया तो वो कहते है कि शुरुआत के कुछ दिन तक लाइट काम किया, फिर एक एक करके सभी लाइट खराब होने लगे। आखिर इस खराब लाइट पर किसी का ध्यान क्यो नही जाता है । इस खराब पड़े लाइट के पीछे जिम्मेवार कौन है। लगाने वाला या लगवाने वाला।ग्रामीणों ने प्रशासन एंव स्थानीय जनप्रतिनिधि से अनुरोध किए कि वो इस मामले को संज्ञान मे लेकर खराब पडे स्ट्रीट लाइट का मरम्मत करवाए।

रोमी बंगला से डाड़ीघाघर जाने वाली संडक गड्ढों एवं तालाब में तब्दील, आवागमन में परेशानी

जन प्रतिनिधियों ने की सडक बनाने की मांग

अपेम लाइवः पदमा
ओम प्रकाश मेहता

ओम प्रकाश मेहता

रोमी से डादीघाघर जाने वाली संडक की स्थति काफी खराब हो गई है। सडक गड्ढो एवं तालाब में तब्दील हो गया है। गड्ढो में पानी जमा हो जाने के कारण आवगमण में काफी परेशानी हो रही है। कई जगह पानी के जमाव के कारण से आये दिन दुर्घटना होती रहती है । साथ ही जल जमाव के कारण कई लोग बीमार हो रहे हैं। सडक की स्थिति खराब होने के कारण बीमार लेगा समय पर नहीं पहुंचा पाते है अस्पताल। जिसके वजह से कई लोगो की मौत समय पर अस्पताल नही जाने के कारण हो चुकी है। सडक की खराब स्थिति के कारण वाहनों में इंधन में ज्यादा लगता है। पानी जम जाने के कारण सड़क का पता नहीं चल पाता है। लोग के द्वारा अंदाज से वाहन चलाई जाती हैं । इस ओर अब ता न तो सांसद विधायक का ध्यान जा रहा है और न ही पंचायत प्रतिनिधि ही सुध ले रही हैं। जबकि इस सडक से प्रतिदिन सैकडो लोगों का आना जाना लगा रहता है। ।इस संबंध में रोमी पंचायत के मुखिया गौरी शंकर मेहता ने बताया की सड़क बनाना जरूरी है। बडी राशि की जरूरत है। पंचायत मद से संभव नही है। सांसद विधायक को इस ओर ध्यान देनी चाहिए। सडक बनाने के साथ साथ अतिकमण को भी हटना बुहता जरूरी है। कठिनाई का सामना करना पड़ता है। भा. जपा के वरिष्ठ कार्यर्ता रोमी के प्रमोद मेहता ने कहा कि सड़क के साथ साथ नाली का निर्माण होना बहुत आवश्यक हैं। वहीं रोमी पंचायत के उपमुखिया किरण मेहता ने बताया कि सडक ख़राब होने के कारण हमलोगो को परेशनी उठना पड़ा रहा। भाजपा के प्रखण्ड मंडल अध्यक्ष बा. बूलाल प्रसाद मेहता ने बताया कि सड़क बनना बहुत जरूरी है क्योकि यह स्उक ईचाक प्रखंड के दाडीघाघर पंचायत को जोडता है। ग्रामीण संजय मेहता, राजन कुमार, गोविंद मेहता ,राम जी मेहता, पदमा प्रखंड के कांग्रेस अ्यक्ष गौतम मेहता ने काहा सड़क बनना बहुत जरूरी है। इससे आम ग्रामणों को आने जाने बहुत बलदेव राणा, मिथुन गुप्ता ,अजित कुमार, सुनील कुमार आदि ने भी सडक बनाने की मांग की है।

प्रस्तावित उच्च विद्यालय करियातपुर के सुभाष ने किया जैक 10वीं बोर्ड में जिला टॉप व बबलू कुमार जिला टॉप थ्री में शामिल

अपेम लाइव : बरही

दयानंद चौरसिया

प्रतिभा और सफलता संसाधन का मुहताज नही होता। मन लगाकर किया गया मेहनत बेकार नही जाता। ऐसा ही कर दिखाया है बरही प्रखंड के धनवार पंचायत अंतर्गत कोरियाडीह गांव के सुभाष कुमार ने। इनके पिता जी का देहांत 12 साल पहले हो गया । माता आंगनबाडी सहायिका है। साथ ही मजदूरी कर अपने बच्चों को पालन पोषण एवं पढाई की व्यवस्था की। संसाधन के अभाव के बावजूद सुभाष ने अभाव को अपने पढाई में कमजोरी नही बनने दिया और उसने वह कर दिखाया जो सुखी संपन्न लोग के बच्चे नही कर पाए। ऐसा हम क्यों कह रहे हैं आइए जानिए:– झारखण्ड अधिविद्य परिषद के द्वारा 10 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। इसमे कोरियाडीह निवासी व प्रस्तावित उच्च विद्यालय करियातपुर के छात्र सुभाष कुमार ने 483 अंक लाकर पूरे हज़ारीबाग़ जिले में टॉप किया है। वही इसी गांव एव इसी प्रस्तावित उच्च विद्यालय के छात्र बबलू कुमार ने भी 480 अंक लाकर पूरे जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। एक ही विद्यालय एवं एक ही गांव कोरियाडीह में दो छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय परिवार एव कोरिया डीह के ग्रामीण काफी खुश हैं। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद जब पता चला कि कोरियाडीह के दो छात्रों ने जिला में पहला एवं तीसरा स्थान प्राप्त किया है तब विद्यालय प्रधानाचार्य जय गोविंद प्रसाद एवं पूर्व मुखिया एव सामाजिक कार्यकर्तारा. जेन्द्र प्रसाद कुशवाहा दोनो बच्चो के घर पहुंच कर दोनो बच्चों को मिठाई खिलाई एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि जिला टॉप करने वाले सुभाष कुमार के पिता 12 साल पहले ही स्वर्गवास हो चुके हैं। उनकी विधवा मां एवं दादा दादी इनका पालन पोषण कर रहे हैं। इनकी आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि मकान कच्चा है। सरकारी सुविधा से वंचित हैं। मिट्टी की चूल्हा पर खाना बनता है और इसी परिस्थिति में उनकी पढ़ाई भी हुई। परिवार की स्थिति ठीक नही रहने के कारण सुभाष को आगे पढ़ाई में कोई दिक्क़त नही हो इसके लिए पूर्व मुखिया राजेन्द्र प्रसाद ने आगे की कक्षा में नामांकन की पूरी ख़र्चा उठाने की घोषणा की। वही जिप प्रतिनिधि मो क्यूम ने आर्थिक सहयोग किया। सुभाष एवं बबलू ने इंजीनियरिंग की पढाई करने की इच्छा जताई। मौके पर जय गोविंद प्रसाद, राजेन्द्र प्रसाद, महेंद्र प्रसाद, दामोदर प्रसाद वर्मा, संदीप कुमार, नंदलाल प्रसाद, महेंद्र प्रसाद, रामजी प्रसाद, उपेंद्र प्रसाद, मंजू मसा. मात, डोमन महतो, कृष्णा कुमार, निर्मला देवी ने दोनों छात्रों को बधाई दी है।